मंच पर होंगे 'दिल्ली के 50 निर्माता'

पहल ▶ सफाई कर्मचारी, डॉक्टर समेत विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाले आमंत्रित

सिसोदिया बोले, दिल्ली के विकास को इनके सहयोग से आगे बढ़ाया जाएगा

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

रामलीला मैदान में शपथ ग्रहण समारोह में इस बार मुख्यमंत्री केजरीवाल के मंच पर सफाई कर्मचारी, डॉक्टर, बाइक एंबुलेंस चालक, अभियंताओं समेत विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाले 50 लोग भी मौजूद रहेंगे। इन्हें दिल्ली के निर्माता नाम से सम्मान दिया गया है।

आप के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने शनिवार को प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि दिल्ली के हर एक आदमी का एक सपना है कि हमारी दिल्ली कुछ अलग होनी चाहिए। इसे इनके सहयोग से आगे बढ़ाया जाएगा। सपनों के ये निर्माता अपने-अपने क्षेत्र के कार्य का प्रतिनिधित्व करते हुए मुख्यमंत्री केजरीवाल के साथ उनके मंच पर साथ रहेंगे। सिसोदिया ने कहा कि यह आम आदमी की बड़ी जीत है। इन लोगों ने केजरीवाल मॉडल ऑफ गवर्नेंस और केजरीवाल मॉडल ऑफ डेवलपमेंट को जिताया है। यह दिल्ली के उन लोगों की जीत है, जो दिल्ली को लेकर सपना देखते हैं। जो लोग दिल्ली को बनाते हैं, दिल्ली को चलाते हैं, यह उनकी जीत है। उनको एक 'करप्शन फ्री गवर्नेंस' मिली, एक मददगार सरकार मिली। इसलिए केजरीवाल ने यह तय किया कि शपथ ग्रहण में उनके मेहमान भी वही लोग होंगे, जिन्होंने दिल्ली को बनाया है। इनमें दिल्ली के उद्योगपति, व्यापारी, दुकानदार, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, वकील, पत्रकार, खिलाड़ी, छात्र, बस ड्राइवर, दिल्ली के सफाई कर्मी, सामाजिक कार्यकर्ता सहित हर क्षेत्र के लोग हैं। इन क्षेत्रों से करीब 50 लोग यहां मौजूद रहेंगे। ये केजरीवाल के साथ मंच पर मौजूद रहेंगे। केजरीवाल ने पूरी दिल्ली को खुला निमंत्रण दिया है कि आप लोग यहां आएं।

सिसोदिया ने कहा कि शिक्षा का क्षेत्र चुनाव में बड़ा मुद्दा रहा है इसलिए यहां शिक्षा से जुड़े लोग भी रहेंगे। काफी शिक्षकों के फोन आ रहे हैं और वो कह रहे हैं कि हम भी शपथ ग्रहण समारोह में आएंगे। काफी स्कूल प्रमुख भी यहां रहेंगे। 50 विशेष मेहमान होंगे। ये मेहमान मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ स्टेज पर उपस्थित रहेंगे। दिल्ली के निर्माताओं में विशेष रूप से स्कूल प्रमुख, स्कूल के चपरासी को बैठाया जाएगा। छात्रों का प्रजेंटेशन भी होगा।

सिसोदिया ने कहा कि इनमें मोहल्ला क्लिनिक के डॉक्टर भी रहेंगे। दिल्ली के अंदर रहने वाले हर व्यक्ति के अंदर बैठा फरिश्ता है। उस फरिश्ते को और मजबूत करने के लिए केजरीवाल पिछले कार्यकाल में फरिश्ते योजना लेकर आए। इसके तहत बहुत सारे लोगों ने समय रहते हुए हिम्मत करके बहुत सारे लोगों की जानें बचाईं। फायर फाइटर्स की फैमिली का भी प्रतिनिधित्व रहेगा। दिल्ली के सफाई कर्मियों एवं बस मार्शल भी मंच पर रहेंगे। मंच पर बस व मेट्रो ड्राइवर, बस कंडक्टर, ऑटो ड्राइवर, सिग्नेचर ब्रिज बनाने वाले आर्किटेक्ट, अनधिकृत कॉलोनियों में पूरे पांच साल तक काम करने वाले इंजीनियर्स एवं वर्कर्स भी रहेंगे। दिल्ली के किसान भी वहां होंगे।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के शपथ ग्रहण समारोह के लिए तैयार ऐतिहासिक रामलीला मैदान। संजय

पिछली सरकार में मंत्रियों को मिले विभाग

अरविंद केजरीवाल, मुख्यमंत्री

जल विभाग

मनीष सिसोदिया, उप मुख्यमंत्री शिक्षा, वित्त, योजना, पर्यटन, सतर्कता, सेवाएं, महिला एवं बाल विकास, कला एवं संस्कृति व भाषा, इसके अलावा वे सभी विभाग जो अन्य किसी मंत्री को आवंटित नहीं हैं।

सत्येंद्र जैन : स्वास्थ्य, उद्योग, लोक निर्माण विभाग, बिजली, गृह और शहरी विकास विभाग

गोपाल राय : श्रम व रोजगार, विकास, सामान्य प्रशासन विभाग, बाढ़ एवं नियंत्रण विभाग

इमरान हुसैन : खाद्य एवं आपूर्ति और चुनाव विभाग

राजेंद्रपाल गौतम : गुरुद्वारा इलेक्शन, अनुसूचित जाति-जनजाति व समाज कल्याण विभाग

कैलाश गहलोत : परिवहन, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, राजस्व, कानून एवं न्याय और पर्यावरण

भावी कैबिनेट के साथ तीन माह के एजेंडे पर केजरीवाल ने की चर्चा

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : तीसरी बार दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने से पहले ही अरविंद केजरीवाल ने सरकार की प्राथमिकताओं एवं योजनाओं को तेजी से क्रियान्वित करने के लिए शनिवार को अपने भावी मंत्रिमंडल के साथ एक्शन प्लान पर चर्चा की। सीएम आवास में डिनर की टेबल पर मुख्यमंत्री एवं उनके कैबिनेट सहयोगियों के बीच सरकार के तीन महीने के एजेंडे पर बात हुई।

दिल्ली सरकार की प्राथमिकताएं तय की गईं और साथ ही दिल्ली को ग्लोबल सिटी बनाने के रोडमैप पर भी चर्चा की गई। डिनर टेबल पर आप सरकार के डेवलेपमेंट मॉडल पर हुई चर्चा की जानकारी देते हुए सीएम के कैबिनेट सहयोगी मनीष सिसोदिया ने बताया कि सभी मंत्रियों को शपथ लेते ही तुरंत केजरीवाल की दस गारंटी वाले चुनावी वादे को पूरा करने की दिशा में तेजी से काम करना है। चुनाव के दौरान किए गए गारंटी कार्ड वादे के तहत शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य मुद्दों पर सरकार बनने के बाद केजरीवाल सहित सभी मंत्रियों का खास ध्यान रहेगा। सिसोदिया ने कहा कि कुछ चीजें तुरंत होंगी तो कुछ में समय लगेगा लेकिन हमारी सरकार हर काम को पूरी लगन एवं मेहनत के साथ करेगी क्योंकि इन कामों के लिए ही हमें चुना गया है।

गोपाल राय ने रामलीला मैदान में तैयारियों का जायजा लिया

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : दिल्ली में चुनी गई नई सरकार के मुख्यमंत्री के तौर पर अरविंद केजरीवाल के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों की निगरानी के लिए दिल्ली सरकार की पूरी सरकारी मशीनरी के साथ ही पार्टी के नेता और पदाधिकारी भी सक्रिय हैं। शनिवार को आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली संयोजक गोपाल राय ने रामलीला मैदान में शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों का जायजा लिया। राय ने तैयारियों में लगे लोगों से जानकारी ली और पूछा कि लोगों के बैठने की क्या व्यवस्था है।

दिल्ली के ऐतिहासिक सफर का हमसफर रामलीला मैदान

संजीव कुमार मिश्र, नई दिल्ली

- स्वतंत्रता संग्राम के दौरान महात्मा गांधी, जवाहर लाल नेहरू, सरदार पटेल सरीखे नेताओं ने यहां कई रैलियां कीं
- मैदान की जगह पर था तालाब, आसपास बस्तियां थीं, इस कारण इसे बस्ती का तालाब कहा जाता था।

दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को अरविंद केजरीवाल की ताजपोशी होगी। करीने से सजी कुर्सियां और फूलों से महकता स्टेज मैदान की खूबसूरती में चार चांद लगा रहे हैं। यहां यह जानना भी दिलचस्प है कि दिल्ली के ऐतिहासिक सफर का हमसफर रहा यह मैदान कभी तालाब हुआ करता था। इसके आसपास बस्तियां थीं। इस कारण इसे बस्ती का तालाब कहा जाता था।

इतिहासकार आरवी स्मिथ कहते हैं कि अंतिम मुगल शासक बहादुर शाह जफर की सेना में हिंदू सैनिक बहुतायत थे। सैनिक लाल किले के पीछे यमुना के रेत पर रामलीला का मंचन करते थे। 1845 में तालाब के बड़े हिस्से को समतल कर मैदान बना दिया गया। बाद में सैनिकों ने यहीं रामलीला का मंचन शुरू किया, जिसके बाद यह रामलीला मैदान के नाम से प्रचलित हो गया। लेकिन 1880 के बाद यह मैदान ब्रितानिया सिपाहियों के संरक्षण में आ गया। सिपाहियों ने यहां कैंप बनाए, जहां लंबी ड्यूटी के बाद सिपाही आराम करते। सिपाहियों के जाने के बाद काफी समय तक यह मैदान बच्चों के खेलकूद के लिए ही इस्तेमाल होता रहा। हालांकि बाद के वर्षों में जैसे-जैसे दिल्ली की आबादी बढ़ी, खुले स्थानों की कमी हुई, तो यह मैदान रैलियों, जनसभाओं समेत बड़े कार्यक्रमों के लिए उपयोग होने लगा।

स्वतंत्रता संग्राम के दौरान महात्मा गांधी, जवाहर लाल नेहरू, सरदार पटेल सरीखे नेताओं ने यहां से कई रैलियां कीं। ऐसा भी कहा जाता है कि सन 1945 में यहां मोहम्मद अली जिन्ना ने एक रैली की थी। जब जिन्ना रैली में बोलने लगे तो भीड़ में से कुछ लोगों ने मौलाना जिन्ना जिंदाबाद के नारे लगाए। जिन्ना ने मौलाना की इस उपाधि पर नाराजगी जताई और कहा कि वह राजनीतिक नेता हैं न कि धार्मिक मौलाना। स्मिथ कहते हैं कि सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद करने के लिए भी इसका खूब प्रयोग हुआ। दिसंबर 1952 में जम्मू-कश्मीर के मसले श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने यहां सत्याग्रह किया था। प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने 1956 और 57 में मैदान में विशाल जनसभाएं कीं।

जब भावुक हो गए जवाहर लाल नेहरू

रामलीला मैदान में 28 जनवरी 1961 को ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ भी आई थीं। उन्होंने एक जनसभा को संबोधित किया था। भारत-चीन के बीच युद्ध के बाद 26 जनवरी 1963 को यहां एक जनसभा का आयोजन किया गया था। युद्ध के ठीक दो महीने बाद आयोजित इस कार्यक्रम में लता मंगेशकर ने ए मेरे वतन के लोगों, जरा आंख में भर लो पानी गाना गाया था। कहते हैं, पंडित जवाहर लाल नेहरू समेत सभा में मौजूद हर एक शख्स की आंखें नम हो गई थीं। गाने का एक साउंड ट्रैक भी नेहरू जी को बतौर उपहार दिया गया। इसके दो साल बाद सन 1965 में पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध के दौरान प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने भी रामलीला मैदान में एक सभा का आयोजन किया था। इसमें उन्होंने जय जवान, जय किसान का नारा एक बार फिर दोहराया था। 1972 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बांग्लादेश के निर्माण और पाकिस्तान से युद्ध जीतने का जश्न मनाने के लिए इसी मैदान में एक बड़ी रैली की थी।

गुप्ता के साथ ही बिष्ट और बिधूड़ी भी नेता प्रतिपक्ष की रेस में

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

- भाजपा के हैं आठ विधायक, पार्टी हाई कमान की ओर टिकी हुई है सबकी नजरें

विधानसभा चुनाव में भाजपा को आठ सीटें मिली हैं और नेता प्रतिपक्ष की दौड़ में प्रमुख रूप से तीन विधायक शामिल बताए जा रहे हैं। पार्टी विधायक दल की बैठक की तिथि अभी तय नहीं हुई है। अगले सप्ताह बैठक हो सकती है। इसके साथ ही संभावना जताई जा रही है कि पार्टी हाई कमान द्वारा नेता प्रतिपक्ष के नाम पर अंतिम फैसला लिया जाएगा और विधायकों की बैठक के बाद इसकी घोषणा की जाएगी।

इस बार विजेंद्र गुप्ता, मोहन सिंह बिष्ट, रामबीर सिंह बिधूड़ी, ओमप्रकाश शर्मा, अभय वर्मा, जितेंद्र महाजन, अनिल वाजपेयी, अजय महावर चुनाव जीते हैं। करावल नगर से पांचवीं बार जीत हासिल करने वाले बिष्ट और बदरपुर से चौथी बार विधानसभा पहुंचे रामबीर सिंह बिधूड़ी को भी इस पद का दावेदार माना जा रहा है।

गौरतलब है कि पिछली बार भाजपा को मात्र तीन सीटें मिली थीं। विजेंद्र गुप्ता, ओपी शर्मा और जगदीश प्रधान विधानसभा पहुंचने में सफल रहे थे। गुप्ता को नेता प्रतिपक्ष बनाया गया था। इस बार भी वह विधानसभा पहुंचने में सफल रहे हैं, लेकिन उन्हें नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी मिलेगी या नहीं, इस पर अब तक फैसला नहीं हुआ है।

बिधूड़ी को मिला था सर्वश्रेष्ठ विधायक का पुरस्कार

रामबीर सिंह बिधूड़ी अनुभवी विधायक हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से राजनीतिक सफर की शुरुआत करने वाले बिधूड़ी कई पार्टियों में रह चुके हैं। 1993 में वह जनता दल के टिकट पर विधानसभा पहुंचते थे। जनता दल विधायक दल के नेता भी चुने गुए थे। उसके बाद वह वर्ष 2003 में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के टिकट पर चुनाव जीते थे। उन्हें सर्वश्रेष्ठ विधायक का भी पुरस्कार मिला था। वर्ष 2012 में भाजपा में शामिल हुए और 2013 में वह विधानसभा पहुंचे थे। 2015 में चुनाव हारने के बाद इस बार फिर से वह विधायक चुने गए हैं।

भाजपा के पुराने नेता हैं बिष्ट

दिल्ली भाजपा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट भाजपा के पुराने नेता हैं। 1998 से 2013 तक वह लगातार करावल नगर से चुनाव जीतते रहे हैं। 2015 में उन्हें हार मिली थी, लेकिन एक बार फिर से वह चुनाव जीतने में सफल रहे हैं।

बड़ी राजनीतिक घटनाओं का भी रहा गवाह

मैदान धर्म, स्वतंत्रता संग्राम ही नहीं अपितु बड़ी राजनीतिक घटनाओं के लिए भी जाना जाता है। सन 1975 में 25 जून को रामलीला मैदान से ही लोकनायक जय प्रकाश नारायण ने हुंकार भरी थी। विपक्षी नेताओं के साथ इंदिरा गांधी की सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया था। 'सिंहासन खाली करो कि जनता आती है' का नारा यहां गूंज पड़ा। सरकार ने 25-26 जून 1975 की रात आपातकाल लगा दिया। सन 1977 में यहां फिर से विपक्षी दलों की गर्जना हुई। जनता पार्टी के बैनर तले बाबू जगजीवन राम के नेतृत्व में कांग्रेस छोड़कर आए मोरारजी देसाई, चौधरी चरण सिंह और चंद्रशेखर के साथ भारतीय जनता पार्टी के तत्कालीन रूप जनसंघ के नेता अटल बिहारी वाजपेयी इसी मैदान के मंच पर एक साथ नजर आए। जून 2011 में बाबा रामदेव प्रकरण और फिर अन्ना आंदोलन का भी यह मैदान गवाह बना। यह मैदान आम आदमी पार्टी के राजनीतिक सफर का भी गवाह बना। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इसी मैदान पर पहली बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। अब रविवार को वह तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

मेट्रो में महिला से छेड़छाड़, मौन रहे यात्री

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

महिलाओं के लिए सुरक्षित मानी जाने वाली मेट्रो में एक महिला के साथ फिर छेड़छाड़ की घटना सामने आई है। घटना ब्लू लाइन मेट्रो में घटी। पीड़िता के मुताबिक यात्रा के दौरान भीड़ का फायदा उठाकर एक शख्स लगातार उनकी पीठ को छूता रहा। पीड़िता ने उसे दूर रहने की हिदायत भी दी, लेकिन वह हरकत से बाज नहीं आया। पीड़िता ने इस संबंध में ट्विटर पर दिल्ली मेट्रो कॉरपोरेशन में शिकायत की है। मेट्रो पुलिस भी मामले की छानबीन में जुट गई है। इससे पहले गत बुधवार को येलो लाइन मेट्रो में भी युवती से अश्लील हरकत करने का मामला सामने आया था। चार दिन में महिलाओं के साथ अश्लील हरकत और छेड़छाड़ के दो मामले सामने आने से मेट्रो अधिकारी चिंतित हैं। मेट्रो में महिला सुरक्षा पर सवाल भी उठने लगे हैं।

पीड़ित महिला ने दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) के ट्विटर पर शुक्रवार को घटना की जानकारी दी थी। उन्होंने लिखा है कि ब्लू लाइन में यात्रा के दौरान भीड़ में एक शख्स ने खुलेआम उन्हें प्रताड़ित किया। वह उनकी पीठ को छूता रहा। उन्होंने आरोपित को ऐसा करने से रोका, लेकिन उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। इस दौरान कोच में सवार किसी यात्री ने भी मदद नहीं की।

पीड़िता ने लिखा है कि भीड़भाड़ वाली मेट्रो में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। महिला सुरक्षा के लिए हर कोच में एक पुलिसकर्मी नियुक्त किया जाना चाहिए। साथ ही पीड़िता ने इस प्रकार की घटना को कम करने के लिए मेट्रो में महिला कोच की संख्या भी बढ़ाने की मांग की। इस संबंध में मेट्रो पुलिस का कहना है कि पीड़िता से संपर्क करने की कोशिश की जा रही है। उनसे जानकारी मिलने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। उधर, डीएमआरसी ने ट्वीट कर पीड़िता से घटना के बारे में पूरी जानकारी देने की बात कही। इससे पहले येलो लाइन मेट्रो में बुधवार को एक युवती के साथ एक शख्स ने अश्लील हरकत की थी। गुरुग्राम निवासी युवती दिल्ली में नौकरी करती हैं। घटना के वक्त वह वापस अपने घर जा रही थीं। तभी युवक ने उनके साथ अश्लील हरकत की। युवती ने आरोपित की तस्वीर भी ले ली थी। बाद में उन्होंने घटना के बारे में घिटोरनी मेट्रो पुलिस में शिकायत दी थी।

अश्लील हरकतें करने वाला इंजीनियर गिरफ्तार : येलो लाइन मेट्रो में युवती से अश्लील हरकतें करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित अभिलाश कुमार गुरुग्राम का रहने वाला है और बतौर सिविल इंजीनियर प्राइवेट कंपनी में कार्य करता है। पुलिस ने आरोपित को उसके मेट्रो कार्ड के रिचार्ज के माध्यम से पकड़ा है।

> मेट्रो में छेड़खानी की शिकायतों को डीएमआरसी ने गंभीरता से लिया है। येलो लाइन पर हुई पहली घटना में घिटोरनी मेट्रो थाने में मामला दर्ज कर पुलिस कार्रवाई कर रही है। छेड़खानी की दूसरी घटना की भी जांच चल रही है। मेट्रो का सुरक्षा विभाग लगातार मामले पर नजर रख रहा है और पुलिस को जरूरी सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।
>
> -अनुज दयाल, प्रवक्ता, डीएमआरसी

पार्क होटल में आग, न दमकल को पता न पुलिस को खबर

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- धुएं से तबियत बिगड़ने पर 11 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया
- दमकल विभाग ने होटल प्रबंधन को जारी किया कारण बताओ नोटिस

कनाट प्लेस स्थित द पार्क होटल के बेसमेंट में जेनरेटर यूनिट में शनिवार सुबह आग लग गई। धुएं से 11 लोगों की तबीयत बिगड़ गई।

उधर, इसकी सूचना होटल कर्मियों ने पुलिस और दमकल विभाग को नहीं दी और अपने स्तर पर ही गुपचुप तरीके से आग को बुझा दिया। कुछ देर बाद आग दोबारा भड़क उठी। इसका धुआं एयर कंडीशनिंग सिस्टम और शाफ्ट के जरिये ऊपर की मंजिलों के कमरों में भर गया। कमरों में धुआं भरने से होटल में ठहरे लोगों का दम घुटने लगा। इस वजह से चौदह लोगों की तबीयत बिगड़ गई और एक होटल का कर्मचारी राहत कार्य के दौरान शीशा टूटने की वजह से जख्मी हो गया। इसके बाद 11 लोगों को गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया। इन 11 लोगों में से नौ लोग नार्वे के नागरिक हैं। इनमें से नार्वे नागरिक आबदी बाशिर व जोशिम वान सहित गुरुग्राम निवासी कुंदन राय का इलाज चल रहा है। अन्य आठ को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई थी।

दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि होटल ने आग की घटना को छिपाए रखा। शुक्र है कि आग काबू में हो गई। यदि आग तेजी से फैलती तो वहां ठहरे विदेशियों सहित अन्य की जान खतरे में पड़ सकती थी। दमकल विभाग ने होटल प्रबंधन को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। विभाग के अधिकारियों की टीम होटल का निरीक्षण करेगी। देखा जाएगा कि आग के पीछे की वजह क्या थी। वहां क्या खामियां हैं। इस संबंध में जब होटल प्रबंधन से बात की गई तो उन्होंने मेल पर जानकारी देने का आश्वासन दिया, लेकिन खबर लिखे जाने तक कोई मेल प्राप्त नहीं हुआ।

होटल से मात्र 100 मीटर दूर है संसद मार्ग थाना

दरअसल द पार्क होटल संसद मार्ग थाने से कुछ सौ मीटर पर स्थित है। वहीं, दमकल विभाग का मुख्यालय भी करीब है। नई दिल्ली के एडिशनल डीसीपी दीपक यादव ने बताया कि होटल से न तो पुलिस को और न ही दमकल विभाग को सूचना मिली थी। अस्पताल ने राजेंद्र नगर थाने को सूचित किया था। जिसके बाद कॉल को संसद मार्ग थाने में स्थानांतरित कर दिया गया था। वहीं बाद में पुलिस ने होटल पार्क में लगी आग के बारे में दमकल विभाग को बताया था।

> फिलहाल अस्पताल में मरीजों का इलाज जारी है। उन्हें सांस लेने में परेशानी हो रही है। कुछ लोगों का इलाज करने के बाद उनको छुट्टी दे दी गई है।
>
> -डॉ. एस कटोक्ष, अतिरिक्त निदेशक (मेडिकल), गंगा राम अस्पताल

नौ बजे हुई थी घटना, पौने बारह बजे मिली पुलिस को सूचना

पुलिस के मुताबिक पार्क होटल में आग की घटना सुबह करीब नौ बजे हुई थी। मामला ज्यादा न बढ़े इसके लिए होटल कर्मियों ने आग को अपने स्तर पर बुझा दिया था। लेकिन दोबारा से आग फिर से सुलग उठी। पुलिस के अनुसार घटना की जानकारी गंगा राम अस्पताल ने राजेंद्र नगर थाना पुलिस को शनिवार सुबह पौने बारह बजे दी थी। दमकल विभाग को 12.22 बजे घटना के बारे में बताया गया।

कमरे का शीशा तोड़कर लोगों को बाहर निकाला

जब धुआं होटल के कमरों तक पहुंच गया तो कमरों में मौजूद लोगों को परेशानी होने लगी। उनका दम घुटने लगा तो वे बाहर की ओर भागे। इस दौरान कमरों में फंसे कुछ लोगों को होटल स्टाफ ने कमरे का शीशा तोड़कर बाहर निकाला। इसमें स्टाफ का एक सदस्य भी घायल हो गया। उसका भी अस्पताल में इलाज करवाया गया।

समस्या

शादी के बाद ससुराल के लोगों से बीमारी की बात छिपाती हैं महिलाएं, एम्स में डॉक्टरों के सामने आ चुके हैं इस तरह के 7-8 मामले

सिलियक की बात छिपाना शादीशुदा जिंदगी पर पड़ा भारी

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

गेहूं में मौजूद ग्लूटेन प्रोटीन की एलर्जी के कारण सिलियक रोग से किसी भी उम्र में लोग पीड़ित हो सकते हैं। लेकिन अक्सर बचपन में यह बीमारी उभरकर सामने आती है। यह रोग होने पर जीवनभर ग्लूटेन फ्री (मुक्त) भोजन आवश्यक है। एम्स में शनिवार को इस बीमारी पर आयोजित सम्मेलन में संस्थान के डॉक्टरों ने कहा कि ओपीडी में इस बीमारी से पीड़ित कई ऐसी महिलाएं पहुंचती हैं जिन्होंने शादी के बाद ससुराल के लोगों से बीमारी की बात छिपाई और ग्लूटेन फ्री भोजन बंद कर दिया। जिससे सेहत तो खराब होती ही है, कई महिला मरीजों की शादीशुदा जिंदगी भी प्रभावित हुई।

एम्स के गैस्ट्रोलॉजी विभाग के प्रोफेसर डॉ. गोविंद मखारिया ने कहा कि देश में 0.67 फीसद लोग सिलियक रोग से पीड़ित हैं। यह बीमारी गेहूं व जौ में मौजूद ग्लूटेन प्रोटीन की एलर्जी के कारण होती है। गेहूं में मौजूद 10 ग्राम प्रोटीन में से आठ ग्राम ग्लूटेन प्रोटीन होता है। कई लोगों को इससे एलर्जी होती है। इस वजह से भोजन पच नहीं पाता। इस कारण बच्चे एनीमिया से पीड़ित हो जाते हैं और उनका कद बढ़ नहीं पाता। एम्स की हर ओपीडी में 70 से 80 मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। मौजूदा समय में एम्स में करीब 1300 मरीजों का इलाज जारी है। डॉ. मखारिया ने कहा कि सात से आठ ऐसे मामले देखे गए हैं, जिनमें महिला मरीजों द्वारा शादी के बाद बीमारी की बात छिपाने से उनकी शादीशुदा जिंदगी प्रभावित हुई। एक महिला मरीज शादी के चार साल बाद इलाज के लिए पहुंची। उनकी सेहत में लगातार गिरावट के कारण वह दुबली हो गई थीं और बीमार रहने के कारण प्रेगनेंसी में दिक्कत हुई। इस वजह से तलाक भी हो गया। इलाज के बाद उन्होंने दूसरी शादी की और मां भी बनीं। इसलिए बीमारी होने पर इसे छिपाना नहीं चाहिए।

15 खाद्य वस्तुओं पर ग्लूटेन मुक्त का दावा निकला गलत

सिलियक से पीड़ित लोगों के लिए बाजार में बिस्कुट, केक, सहित कई तरह की खाद्य वस्तुएं बिकती हैं, जिसे ग्लूटेन मुक्त होने का दावा किया जाता है। इसके मद्देनजर एम्स के डॉक्टरों ने दिल्ली के विभिन्न स्टोर व ऑनलाइन स्टोर से खाद्य वस्तुओं के 700 सैंपल लेकर जांच की। इनमें से 85 फीसद सैंपल सही पाए गए लेकिन 15 फीसद सैंपल में ग्लूटेन मुक्त होने का दावा गलत पाया गया। जल्द ही एम्स इस अध्ययन को मेडिकल जर्नल में प्रकाशित करेगा।

लिपस्टिक में भी इस्तेमाल होता है ग्लूटेन

एम्स के डॉक्टर कहते हैं कि लिपिस्टक में भी ग्लूटेन का इस्तेमाल होता है। इसलिए सिलियक रोग से पीड़ित महिलाओं को इसके इस्तेमाल के प्रति सचेत रहना चाहिए। चिप्स व आइसक्रीम में भी ग्लूटेन का इस्तेमाल होता है।

मक्का, फल, सब्जियों का इस्तेमाल पीड़ितों के लिए फायदेमंद

मक्का, चने की मिक्स आटा, दाल, फल व हरी सब्जियां इस बीमारी से पीड़ित लोगों के लिए फायदेमंद होती हैं। एम्स के गैस्ट्रॉलॉजी विभाग के डॉ. अनुप सराया ने बताया कि आटे में 50 मिलीग्राम ग्लूटेन की मौजूदगी भी मरीज के लिए हानिकारक हो सकती है। इसलिए घर में चक्की रखकर खुद मिक्स आटा तैयार करें।

एम्स में घटेगी सर्जरी की वेटिंग मई में शुरू होगा सर्जिकल ब्लॉक

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

- नवनिर्मित सर्जिकल ब्लॉक में 12 मॉड्युलर ऑपरेशन थियेटर तैयार
- पहले फेज में 100 बेड के साथ शुरू होगी चिकित्सा सुविधा

एम्स में नए ओपीडी ब्लॉक में छह विभागों की ओपीडी सेवा शुरू होने के बाद मरीजों के लिए एक और राहत की खबर यह है कि नवनिर्मित सर्जिकल ब्लॉक में भी जल्द चिकित्सा सुविधा शुरू होगी। एम्स प्रशासन ने इसके लिए तैयारी शुरू दी है। दो फेज में नवनिर्मित सर्जिकल ब्लॉक में चिकित्सा सुविधाएं शुरू होंगी। पहले फेज में मई के अंत तक 100 बेड के साथ इस सर्जिकल ब्लॉक में मरीजों का इलाज शुरू होगा। इससे किडनी प्रत्यारोपण व अन्य सर्जरी की वेटिंग कम होने की उम्मीद है।

उल्लेखनीय है कि एम्स में मरीजों का भारी दबाव है। इसलिए मरीजों को सर्जरी के लिए लंबी तारीख दी जाती हैं। सामान्य सर्जरी के लिए भी मरीजों को छह माह तक इंतजार करना पड़ता है। वहीं किडनी प्रत्यारोपण के लिए मरीजों को एक साल तक इंतजार करना पड़ता है। यूरोलॉजी व गैस्ट्रोइंटेस्टाइन सर्जरी से संबंधित बीमारियों के ऑपरेशन के लिए भी लंबी वेटिंग है। इसका कारण एम्स के मुख्य अस्पताल में मरीजों की तुलना में बेड व ऑपरेशन थियेटर (ओटी) की कमी है। इसके मद्देजनर सर्जिकल ब्लॉक का निर्माण किया गया है। करीब दो-ढ़ाई साल से इसका भवन बनकर भी तैयार है, लेकिन ऑपरेशन थियेटर में तकनीकी खामियों के कारण इसमें अब तक इलाज शुरू नहीं हो पाया है। संस्थान के डॉक्टरों के कहने पर नए सिरे से अत्याधुनिक मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर तैयार किए गए। इसमें 12 ऑपरेशन थियेटर की सुविधा होगी।